XLRI IN NEWS

NOVEMBER 2014

1

CITY — THE AVENUE MAIL — 8

Jamshedpur, Saturday, November 1, 2014

XLRI hosts International Workshop on Inclusive Finance, SBI MD addresses inaugural session

Jamshedpur : XLRI - Xavier School of Management, one of India's premier B-Schools, inaugurated the '3rd International Workshop on Inclusive Finance'today. The 3-day mega event has brought together academicians, stakeholders, practitioners of microfinance institutions (MFIs), NGOs and policy makers to discuss and deliberate on contemporary challenges in financial inclusion.

B Sriram, Managing Director, State Bank of India addressed the inaugural session. He focussed on the need to focus on promoting micro finance.

Dr. HK Pradhan, Professor of Finance and Economics & Convener of the Workshop said that the event is expected to serve as a forum for intensive discussions among all stakeholders involved in financial inclusion. Deepening of financial inclusion is the priority in government policy, and the workshop brings all stake holders such as banks, insurance companies, technology and telecom providers, for an intensive discussion.

The core theme of this year's conference is - "Making Finance and Insurance Work for Poor". At the event, the experts would discuss about the inclusive financial sector serving the asset poor households. It will be holding series of thematic plenaries on contemporary issues such as Bank-BC model improving access2finance, PM Jan Dhan Yojana, SHG and MFI models, future of microfinance & livelihoods, small holder agricultural finance, micro insurance (health, life, accidental), product innovations in savings, credits & insurance & pension, financial literacy & consumer protection, social security & direct benefit transfer, and role of technology. The event brings several academic researchers and case presenters from India and abroad to discuss their empirical & field based research on Access2Finance. The workshop also includes a doctoral colloquium where scholars present their research and methodology to an audience of experts.

Along with the Workshop, a national level felicitation, called XLRI-NABARD Award for Innovations4Impact, is being organized on November 1, 2014 inviting social innovators, microfinance institutions, and micro-entrepreneurs to present their work, that have made a difference to the life at the bottom of the pyramid by linking finance to livelihoods. A competitive challenge on "Innovations in Financial Literacy and Consumer Protection" is being organized engaging students from business schools to design and demonstrate innovative ideas in financial literacy & protection of underserved communities.

2

कृषि को बनाना होगा बाजारोन्मुखी : फर्नांडीस

एक्सएलआरआई में इनक्लूसिव फाइनांस पर सेमिनार का दूसरा दिन, किसानों के समक्ष मार्केट, मर्चेन्ट व मानसून की समस्या

भास्कर न्यूज, जमशेदपुर

एक्सएलआरआई में आयोजित सेमिनार में शामिल विशेषज्ञ।

सेमिनार को संबोधित करते अतिथि।

ये हुए पुरस्कृत

सात संस्थाओं को इनोवेशन फॉर इम्पैक्ट अवॉर्ड

[illegible]

3

CAMPUS TALK — Commercial Feature

XLRI launches annual business summit on Nov 14th

Ensemble 2014 is XLRI's flagship annual business summit and as always, boasts of some major names and events this year. The three-day extravaganza kicks off on the 14th of November with an official inauguration at the Father Prabhu Hall. The Ensemble Core Team reports that over 4000 teams from business schools across the nation have registered for a series of challenging competitions. With over 15 Lakhs of prize money at stake across business, cultural and informal competitions, there is much to play for at Ensemble.

The partners for this edition include Colgate Palmolive, Airtel, Hindustan Petroleum and State Bank of India. The other companies that are associating with Ensemble include Woodland, Axis Bank, London Bridge, Turtle, Samsung, PosterGully.com, SafeExpress, SCNext, TheCollegeFever.com, Engage Deo Sprays, White Angels Travel Solutions, Eazyroam, KnowAFest.com, Twenty19 and TestFunda.com. For the first time, Ensemble is hosting Coke Studio by MTV, live in concert.

Amongst the highlights this year is the Modern United Nations: Security Council event, being conducted in collaboration with International Student Exchange Program of XLRI. The legacy of leadership at XLRI continues this year with the 'The Next Gen Leader' which aims to discover leadership potential in the bright minds of top institutions. This event offers Rs 1 lac in prize money, winner takes all! Dracula, the theatre and cultural committee will showcase a play 'EkRuka Hua Faisla', an Indian adaptation of '12 Angry Men'. Other fun events include MasterChef, a cooking competition, a movie screening on campus, Futsal competition, Paintball Tournament, mono acting, face painting, solo dance, song competitions and a performance by Bodhi Tree, XLRI's very own Rock Band.

4

XLRI's annual summit kicks off on Nov 14

XLRI's flagship annual business summit–Ensemble 2014, will be kicked off on the 14th of November. Over 4,000 teams from business schools across the nation such as IIM-A, IIM-B, IIM-L, FMS, IIM-S, NMIMS and MDI among others have registered for a series of challenging competitions. BS REPORTER

5

लीडरशिप सीरीज : डर को दूर कर बन सकते हैं लीडर

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ के पीजीडीएम जीएमपी बैच की ओर से लीडरशिप सीरीज 3 का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य वक्ता के रूप में टेक्नोवा लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट ने हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष के बारे में बताया. कहा कि उन्होंने काफी छोटे स्तर से नौकरी की शुरुआत की थी. इसके बाद एचआर से मैनेजमेंट कर वर्तमान पोजिशन पर हैं. उन्होंने कहा कि डर आगे बढ़ने की दिशा में सबसे बड़ा बाधा है. इस पर काबू पा लेने के बाद सफलता तय है. बी स्कूल के स्टूडेंट्स ने उनसे सवाल भी पूछे.

1. Avenue Mail, November 1
2. Dainik Bhaskar, November 2
3. Business Standard, November 12
4. Business Standard, November 12
5. Prabhat Khabar, November 1

1

एक्सएलआरआई | इनक्लूसिव फाइनांस पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए एसबीआई के एमडी

बैंक उत्पाद नहीं, संबंध बेचें : श्रीराम

भास्कर न्यूज | जमशेदपुर

बैंक उत्पाद नहीं, अपने संबंध को बेचें। इसका फायदा उसे लंबे समय तक मिलेगा। आज बैंकिंग क्षेत्र में बैंकों के लिए ग्राहक का विश्वास जीतना सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। यह बातें शुक्रवार को एक्सएलआरआई में इनक्लूसिव फाइनांस पर आयोजित तीसरी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक (एमडी) बी. श्रीराम ने कहीं। यह तीन दिवसीय कार्यशाला दो नवंबर तक चलेगी।

मंच पर मौजूद बाएं से विजय महाजन, फादर ई. अब्राहम, बी.श्रीराम व डॉ एपीके प्रधान।

लोगों में आर्थिक शिक्षा व तकनीकी ज्ञान की जरूरत

श्रीराम ने कहा कि आज भी देश की आम जनता को आर्थिक ज्ञान की कमी है। उन्हें बैंकिंग सुविधाओं की सही जानकारी नहीं है। यह सुनिश्चित करना है कि आम लोगों को बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी मिल सके। नतीजतन, आज भी ज्यादातर ग्राहक आधुनिकतम तकनीक से बैंकिंग सेवा का उपयोग करने से हिचक रहे हैं। इसके लिए जरूरी है कि बैंक पांच बिंदुओं (सरल करना, खाता खुलवाना, उन्हें दक्ष बनाना, बाजार देख और शिक्षित करना) पर विशेष तरीके से काम करें।

को-ऑपरेटिव बैंक को दें बढ़ावा : विजय महाजन

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बासिक्स ग्रुप के चेयरमैन विजय महाजन ने कहा कि 2008 की आर्थिक मंदी के दौरान विश्व में को-ऑपरेटिव बैंक ही इससे बच पाए थे। अन्य बड़े बैंकों में ताले लग गए थे। इसलिए को-ऑपरेटिव बैंकिंग को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया जाए। साथ ही यह काम अन्य वर्ग के लोगों की पहुंच में होता है। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के खर्च की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र बैंकों के लिए एक बड़ा बाजार है। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई. अब्राहम के भाषण से हुआ। ... दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर और कार्यक्रम के संयोजक डॉ एपीके प्रधान ने बताया कि ... को बैंक से जोड़ने के लिए ... पर बेहतर से ... विश्वविद्यालय, नीति निर्धारक, ... फाइनेंशियल संस्थान के प्रतिनिधि चर्चा करेंगे। कार्यक्रम का मकसद देश के उन करोड़ों लोगों को बैंकिंग और बीमा दायरे में लाना है, जो अब तक इससे वंचित या बाहर हैं।

लीडरशिप टॉक

डर पर काबू करें, तभी मिलेगी सफलता : रंजन

भास्कर न्यूज | जमशेदपुर

नए काम को शुरू करने के पूर्व काफी डर होता है। आपने इस डर पर नियंत्रण कर लिया, तो समझ लें कि अपने सफलता के आगे आने वाली पहली बाधा को पार कर लिया है। यह बातें शुक्रवार को एक्सएलआरआई के पीजीडीएम (जीएम) बैच की ओर से आयोजित लीडरशिप टॉक के दौरान कंसल्टेंसी कंपनी टेक्नोवा लिमिटेड के उपाध्यक्ष असित रंजन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि डर बुरी नहीं होती। यह जरूरी है, पर इसका हम पर हावी होना खतरनाक है। जीवन में वही सफल होता है, जिसने अपने डर पर पूरी तरह से काबू पा लिया है। असित ने अपने जीवन से जुड़ी कई बातों का भी उल्लेख किया। इस दौरान पीजीडीएम के छात्र हिमांशु प्रताप, शैलेश मिश्रा, विनय कुमार गोयल, रवींद्र अग्रवाल, जितेन मैथ्यू, कवित शर्मा आदि उपस्थित थे।

2

एक्सएलआरआई | ड्रेज ने दैनिक भास्कर को बताया-बैंक व डाकघरों की क्षमता बढ़ाकर हो सकता है काम

जमीनी हकीकत नहीं बन पाई योजनाएं : ज्यां द्रेज

भास्कर न्यूज . जमशेदपुर

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा के जनक ज्यां द्रेज ने कहा कि झारखंड में सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक योजनाएं जमीनी हकीकत नहीं बन पाई हैं।

जेवियर लेबर रिलेशंस इन्स्टीट्यूट (एक्सएलआरआई), जमशेदपुर में फाइनेंशियल इन्क्लूजन (वित्तीय समावेशन) पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करने पहुंचे द्रेज ने दैनिक भास्कर को बताया कि विस्थापन से लेकर नरेगा तक का लाभ आमलोगों तक नहीं पहुंच पाया है। राज्य के लोगों को फाइनेंशियल इन्क्लूजन के दायरे में लाने के लिए डाकघरों का सहारा लिया जा रहा है। बकौल ज्यां द्रेज, डाकघरों के पास लोगों तक बेहतर डिलीवरी के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। ऐसे में डाकघरों के साथ ही बैंकों के जरिए यह काम हो सकता है, लेकिन इसके लिए क्षमता बढ़ानी होगी।

ज्यां द्रेज

निष्प्रभावी हो गए प्रज्ञा केंद्र

द्रेज ने कहा कि डाकघरों और बैंक के पास कर्मचारियों की कमी है। ऐसे में बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट (संवाददाता) बनाने होंगे, जो छोटे और मझोले किसानों को बैंकों से जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने प्रज्ञा केंद्र के जरिए यह पहल की थी, लेकिन ये केंद्र भी अब तक जमीनी हकीकत नहीं बन पाए हैं। प्रज्ञा केंद्रों के पास न तो दक्षतापूर्ण संरचना है और न ही तकनीक। ऐसे में इन्हें लोगों से जोड़ने के लिए बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ संचार क्षमता बढ़ानी होगी। एक तरह से ये केंद्र निष्प्रभावी हो गए हैं।

कौन हैं ज्यां द्रेज

मूल रूप से बेल्जियम के रहने वाले ज्यां द्रेज मनरेगा के पहले संस्करण नरेगा के जन्मदाता हैं। भारत में भूख, गरीबी, बाल स्वास्थ्य, शिक्षा और लिंग असमानता पर काम करने वाले ज्यां भारत की आर्थिक नीति के निर्धारक रहे हैं। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर रहे ज्यां वर्तमान में रांची यूनिवर्सिटी, रांची के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। वे भारत के नेशनल एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले अमर्त्य सेन के साथ उन्होंने किताब भी लिखी है।

3

लोगों का विश्वास जीतने से ही बनेगा विकास का रास्ता : बी. श्रीराम

जमशेदपुर | संवाददाता

लोगों का विश्वास जीतकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इसके लिए लोगों को बैंकों में खाता खोलने और बीमा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया जा सकता है। ये बातें भारतीय स्टेट बैंक के एमडी बी. श्रीराम ने कहीं।

बी. श्रीराम शुक्रवार को एक्सएलआरआई में इंक्लूसिव फाइनेंस विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में धन-जन योजना शुरू की है। अगर हम सभी को एकजुट होकर इस दिशा में काम करेंगे तो वंचित वर्ग को भी आर्थिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि बैंकिंग को उत्पाद बिक्री केंद्र के बजाय सेवा केंद्र बनाना होगा। लोगों से संबंध बनाने होंगे, तभी आर्थिक सशक्तता का रास्ता तैयार हो सकेगा।

एक्सएलआरआई सभागार में शुक्रवार को इंक्लूसिव फायनेंस पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते बी. श्रीराम। • हिन्दुस्तान

बोंसाई बन रहे आम लोग

एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई. इब्राहिम ने कहा कि भारत में बैंकिंग और वित्त संस्थाएं उच्च वर्ग के लिए ज्यादा कार्य करती हैं। व्यवस्था के कारण आम लोगों को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा, जिससे वे बोंसाई होते जा रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे बेहतर पौधे छोटे से गमले में उगाने पर बोंसाई हो जाते हैं।

कमाते हैं तो खाते हैं

आर्थिक मामलों के जानकार और बेसिक्स के सीईओ विजय महाजन ने कहा कि भारत में आम लोगों के लिए बैंकिंग दूर की कौड़ी है। आज भी गांव के लोग कहते हैं कि कमाते हैं, तो खाते हैं। ऐसे में को-ऑपरेटिव का गठन कर लोगों का विकास संभव है, जबकि को-ऑपरेटिव गठन व कामकाज में सरकार ही ज्यादा बाधा बनती है।

अतिथियों ने किया उद्घाटन

एक्सएलआरआई के प्रोफेसर डॉ. एपीके प्रधान, एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई. इब्राहिम और बेसिक्स के सीईओ विजय महाजन ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में देशभर के आर्थिक मामलों के जानकार, नाबार्ड के प्रतिनिधि, एनजीओ और बीमा क्षेत्र के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

मंथन

- एक्सएलआरआई में इंक्लूसिव फायनेंस पर तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला शुरू
- विशेषज्ञों ने कहा-बैंकिंग से लोगों को जोड़कर बदले जा सकते हैं देश के आर्थिक हालात

कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े

- **27** करोड़ उपभोक्ता हैं देशभर में एसबीआई के
- **11** करोड़ का लेनदेन होता है प्रतिदिन (लगभग)
- **3.6** करोड़ लेनदेन एटीएम के माध्यम से

नई सोच से मिलेगी सफलता : रंजन

जमशेदपुर | संवाददाता

तकनीक और नई सोच के सामंजस्य से सफलता निश्चित है। हर क्षेत्र में नई सोच वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों की जरूरत है।

यह कहना है टेक्नोवा लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट असीत रंजन का। एक्सएलआरआई में लीडरशिप टॉक के तहत शुक्रवार को प्रबंधन के गुर सिखाने पहुंचे असीत रंजन ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी सोच जमीन पर उतारने से झिझकना नहीं चाहिए। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र मौजूद थे।

4

अभी चले बस दो कदम, बहुत कुछ बाकी

एक्सएलआरआइ में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते एसबीआइ के प्रबंध निदेशक बी श्रीराम व कार्यशाला में मौजूद लोग।

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 27 करोड़ लोगों के खाते हैं। एक अक्टूबर को 11 करोड़ लोगों ने बैंकों में जमा-निकासी की, इनमें 3.36 करोड़ का आदान-प्रदान एटीएम के जरिए हुआ। यह खुशी की बात है कि इस बैंक से इतने सारे लोग जुड़े हैं, पर यह संतुष्टि प्रदान नहीं कर रहा। भारत जैसे देश में इससे कहीं ज्यादा संभावनाएं हैं। ऐसा कहना था एसबीआई के प्रबंध निदेशक बी श्रीराम का। वे एक्सएलआरआई में आयोजित 'थर्ड इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन इंक्लूसिव फाइनांस' के शुभारंभ के मौके शुक्रवार को अपने विचार रख रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हर कंपनी के लिए ग्राहकों तक आसान पहुंच बनाना पहली प्राथमिकता है और इसमें एसबीआइ कनेक्टिविटी पर खास ध्यान दे रही है। उनका कहना था कि कनेक्टिविटी अच्छी होने पर ग्राहक की परेशानियों को कम किया जा सकता है। यह कार्यक्रम दो नवंबर तक चलेगा।

रिश्ते विकसित करने होंगे

एसबीआइ के एमडी बी श्रीराम ने कहा कि इंक्लूसिव फाइनांस के तहत वित्त सेवाएं समाज के निचले तबके तक कम से कम खर्च पर पहुंचाने की कोशिश की जाती है जबकि फाइनांशियल इंक्लूजन के तहत लोगों के साथ एक रिश्ता विकसित किया जाता है। इसके तहत तीन बातें आती हैं, आदा-प्रदान, उत्पाद और सेवाएं। उन्होंने कहा कि ग्राहक के साथ रिश्ते विकसित करने पर उनका उत्पाद और सेवाओं के प्रति एक विश्वास जागता है।

कहां से कहां पहुंच गई इमर्ती

कार्यक्रम के दौरान बेसिक्स के फाउंडर और सीईओ विजय महाजन ने बिहार के जमुई जिले की इमर्ती के बारे में बताया कि 80 के दशक में स्वयं सहायता समूह बनाने वाली इमर्ती आज एक फेडरेशन की प्रमुख है। उनका कहना था कि वर्ल्ड ऑफ फाइनांस को ज्वॉइंट स्टॉक कंपनी ने हाईजैक कर लिया है। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश एरा में परमानेंट सेटलमेंट के समय ही इंक्लूसिव फाइनांस की शुरुआत हो गई थी जब लोगों को जमीन का राजस्व नकद देना पड़ता था। उन्होंने एक्सलर्स से अपील की कि वे म्युचुअल्स की तरफ काम करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की कोशिश करें।

सरकार की योजनाएं

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. और डेवलपमेंट इकोनॉमिस्ट जीन द्रेज ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचाना एक चुनौती की तरह है। उन्होंने प्रधानमंत्री जन-धन योजना की तारीफ करते हुए कहा कि गरीबों को वित्त और बीमा सेक्टर से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चलाई जाती हैं पर अभी तक उसका लाभ जरूरतमंदों को जितना मिलना चाहिए था उतना नहीं मिल पाया है।

1. Dainik Bhaskar, November 1
2. Dainik Bhaskar, November 2
3. Hindustan Times, November 1
4. Dainik Jagran, November 1

1

संभावनाओं को धरातल पर उतारने की जरूरत

PICS: I NEXT

XLRI में Inclusive Finance पर 3rd International Workshop शुरू

कई एक्सपर्ट्स ने रखे अपने विचार, फाइनांस सर्विस और इंश्योरेंस सेक्टर से गरीबों को जोड़ने पर हुई बात

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR(31 Oct): स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 27 करोड़ लोगों के अकाउंट्स हैं. 1 अक्टूबर को 11 करोड़ लोगों ने ट्रांजैक्शन किया. इनमें 3.36 करोड़ ट्रांजैक्शन एटीएम के थ्रू हुआ. यह खुशी की बात है कि इस बैंक से इतने सारे लोग जुड़े हैं. पर यह संतुष्टि प्रदान नहीं कर रहा. भारत जैसे देश में इससे कहीं ज्यादा संभावनाएं हैं, इसलिए अभी काफी कुछ करना बाकी है. ऐसा कहना था एसबीआई के मैनेजिंग डायरेक्टर बी श्रीराम का. वे एक्सएलआरआई में आयोजित हो रहे 'थर्ड इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन इंक्लूसिव फाइनांस' के इनॉगरल डे पर अपनी स्पीच दे रहे थे. उन्होंने कहा कि आज हर कंपनी के लिए कस्टमर तक आसान पहुंच बनाना पहली प्राथमिकता है और इसमें एसबीआई कनेक्टिविटी पर खास ध्यान दे रही है. उनका कहना था कि कनेक्टिविटी अच्छी होने पर कस्टमर की परेशानियों को कम किया जा सकता है. यह प्रोग्राम 2 नवंबर तक चलेगा.

XLRI में चल रहे सम्मेलन में देशभर के एक्सपर्ट्स हुए हैं शामिल.

रिलेशनशिप डेवलप करना होगा

एसबीआई के एमडी बी श्रीराम ने कहा कि इंक्लूसिव फाइनांस के तहत फाइनांस सर्विसेज सोसाइटी के निचले तबके तक एफॉर्डेबल कॉस्ट पर पहुंचाने की कोशिश की जाती है, जबकि फाइनांशियल इंक्लूजन के तहत लोगों के साथ एक रिलेशनशिप डेवलप किया जाता है. उनका कहना है कि इसके तहत तीन बातें आती हैं, ट्रांजैक्शन, प्रोडक्ट और सर्विसेज. उन्होंने कहा कि कस्टमर के साथ रिलेशनशिप डेवलप करने पर उनका प्रोडक्ट और सर्विस के प्रति एक विश्वास जागता है जो फ्यूचर के लिए अच्छा साबित होता है.

इकोनॉमी कहां से कहां पहुंच गई

प्रोग्राम के दौरान बेसिक्स के फाउंडर और सीईओ विजय महाजन ने बिहार के जमुई जिले की इकोनॉमी के बारे में बताया कि 80 के दशक में सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाने वाली इकोनॉमी आज एक फेडरेशन की हेड है. उनका कहना था कि वर्ल्ड ऑफ फाइनांस को ज्वाइंट स्टॉक कंपनी ने हाईजैक कर लिया है. उन्होंने बताया कि ब्रिटिश राज में परमानेंट सेटलमेंट के समय ही इंक्लूसिव फाइनांस की शुरुआत हो गई थी जब लोगों को लैंड रेवेन्यू कैश में देना पड़ता था. उन्होंने एकनामिस्ट्स से अपील किया कि वे मुनाफावाला की तरफ काम करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की कोशिश करें.

योजनाएं सभी जगह पहुंचे

इनॉगरल सेशन के बाद पैनल डिस्कशन हुआ. पहले पैनल डिस्कशन के दौरान दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो और डेवलपमेंट इकोनॉमिस्ट जीन ड्रेज ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचाना एक चुनौती की तरह है. उन्होंने प्रधानमंत्री जन-धन योजना की तारीफ करते हुए कहा कि गरीबों को फाइनांस और इंश्योरेंस सेक्टर से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चलाई जाती हैं, पर अभी तक उसका लाभ जरूरतमंदों को जितना मिलना चाहिए था उतना नहीं मिल पाया है.

Poverty is not created by people

प्रोग्राम के इनॉगरेशन के मौके पर एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर ई अब्राहम ने कहा कि गरीबी सिस्टम की देन है. उन्होंने कहा कि गरीबों तक फाइनांशियल सर्विसेज की पहुंच होनी चाहिए. कंपनियों द्वारा चलाए जाने वाले सीएसआर की अच्छी तरह मॉनिटरिंग होनी चाहिए और यह कोशिश होनी चाहिए कि इसका लाभ जरूरतमंदों को मिले. इस प्रोग्राम को ऑर्गनाइज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एक्सएलआरआई के डॉ एचके प्रधान ने भी अपनी बात रखी.

2

समावेशी वित्त पर एक्सएलआरआइ में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

- जीवन में बदलाव के संवाहक को नाबार्ड एक्सएलआरआइ अवार्ड
- वित्तीय समावेशन के गलत सूचना से सतर्क रहने की जरूरत

जमशेदपुर : लौहनगरी के बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआई में शुक्रवार से समावेशी वित्त विषय पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई. संस्थान के निदेशक फादर इ अब्राहम, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक बी श्रीराम, बेसिक्स समूह के संस्थापक एवं सीइओ विजय महाजन और संस्थान के वित्त और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर एचके प्रधान ने इसका उद्घाटन किया.

इस मौके पर डा प्रणबेश राय ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को समर्पित राष्ट्रीय एकता दिवस का संकल्प संदेश पढ़ा. स्वागत भाषण के क्रम में प्रोफेसर एचके प्रधान ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में नवीनता के माध्यम से आम लोगों के जीवन में बड़ा परिवर्तन लानेवाले संवाहकों के लिए नाबार्ड एक्सएलआरआइ अवार्ड शुरू किया गया है. इसके लिए नोमिनेशन आ रहे हैं. वित्तीय साक्षरता (शेष पेज 2 पर)

3

Silent Auction organised at XLRI, Jamshedpur

XLRI – Xavier School of Management, Jamshedpur, as a part of the Diwali Celebrations, recently organised 'Silent Auction' at their campus. The 'Silent Auction' is an annual philanthropic event conducted by CII Young Indians student club in XLRI where memorabilia collected from the students and faculty of XLRI is auctioned off and the proceeds are then given for charity. This year the proceeds were donated to the treatment of lung cancer patients of Tata Memorial Hospital, Mumbai. The members of CII Young Indians club collected the various artifacts and items to be auctioned from students and faculty. This year, more than 250 items were on display at the auction which ranged from rare collectible lamp to beautiful paintings. While students contributed books and posters, artistic paintings and wall decors were contributed by professors. A unique feature of this auction was the action of services. The services offered by Professors like a dinner for four by Prof Manish Singhal or the three chess games by Prof Sabayaschi Sengupta were very much in demand. The amount raised this year was ₹70,000 (a 25 per cent increase compared to the previous years). Almost all of the items on display were sold with the price ranging from few hundreds and several thousands. Anita Israni, Secretary of the CII Yi XLRI Net and Fr E Abraham, Director of XLRI, appreciated the efforts.

4

'एक्सएलआरआय'च्या 'सिनर्जी २०१४'मध्ये अनेक उद्योजकांचा सहभाग

मुंबई – एक्सएलआरआय – झेव्हिअर स्कूल ऑफ मॅनेजमेण्टने
आयोजित केलेल्या ''सिनर्जी २०१४'' या राष्ट्रीय स्तरावरील वार्षिक
कॉन्क्लेव्हमध्ये दुसऱ्या दिवशी 'फ्युचर ऑफ फायनान्स अँड द वे
फॉरवर्ड फॉर द इंडियन जनरल इन्शुरन्स इंडस्ट्री' या विषयावर झालेल्या
चर्चेमध्ये नवनीत मुनोत (ईडी आणि सीआयओ–एसबीआय एमएफ),
सौरभ सरकार (एमडी आणि सीईओ, एमसीएक्स – एसएक्स), दीपिका
माथुर (एसव्हीपी– एचडीएफसी एर्गो जनरल इन्शुरन्स कं.) असे
उद्योगातील नामांकित उद्योजक सहभागी झाले होते. तर 'इंडियन
इन्शुरन्स सेक्टर – द वे अहेड' या विषयावर झालेल्या चर्चेमध्ये विमा
क्षेत्रातील नामांकित वक्ते सहभागी झाले होते. प्रवीण गुप्ता (रहेजा
क्यूबीई जनरल इन्शुरन्स कं. लि.चे मुख्य कार्यकारी अधिकारी आणि
व्यवस्थापकीय संचालक), सुशांत सरीन (टाटा एआयजी जनरल
इन्शुरन्स कं.चे जेष्ठ उपाध्यक्ष), नवनीत मुनोत (ईडी आणि सीआयओ,
एसबीआय एमएफ) यांनी सहभाग घेतला. यावेळी 'द फायनान्स
मॅनेजर' या फायनॅक्सच्या मासिकाचे अनावरण करण्यात आले.

1. INext, November 4
2. New Ispat Mail, November 1
3. New Indian Express, November 3
4. Navshakti, November 13

1

एक्सएलआरआइ : इन्क्लूसन फाइनांस पर थर्ड इंटरनेशनल सेमिनार

हकदार तक पहुंचे वित्तीय बदलाव

लाइफ रिपोर्टर @जमशेदपुर

श्रीराम के बोल

2

'ANNUAL HOMECOMING 2014'

XLRI felicitates its distinguished alumnus

XLRI-Xavier School of Management, one of India's premier B-Schools organized the 'Distinguished Alumnus Awards Ceremony' at the 'Annual Homecoming 2014'. Rana Sinha, Managing Director, Tata Hitachi Construction Machinery Co Ltd & National President, XLRI Alumni Association and Prof Sharad Sarin, Chairperson, Alumni, XLRI were also present on the occasion. About 250 XL Alumni participated in this year's Homecoming that included the batches of 2004 who celebrated their 10th reunion year and 1979 who is celebrating their 30th reunion. Fr. E. Abraham S.J., Director, XLRI commented on the occasion, "XLRI Homecoming is an important annual event for us. Presently, the alumni base of XLRI is around 14,000 and we intend to engage all our alumni, across programmes and year to participate in this event." "Our alumni are the torch bearers of XLRI's values and mission and the role model for our generations. I congratulate the recipients of The Distinguished Alumnus Awards," he added. Prof. Sharad Sarin, Chairperson, Alumni, XLRI said, "Today, on the occasion of the Annual homecoming, we are felicitating our 24 alumni, who are the winners in their respective fields". "XLRI can claim to have the most active networking of Alumni amongst Indian Business Schools. Every year the alumni chapters have their get-togethers in cities across India and abroad. Recently, in October 2014, alumni meets were held in various cities in USA, Dubai and Toronto" he added.

3

XLRI's offbeat money meet

SBI managing director B Sriram addresses the workshop on XLRI campus on Friday. Picture by Bhola Prasad

OUR CORRESPONDENT

The International Workshop on Inclusive Finance, third edition, kicked off at premier B-school XLRI on Friday with an emphasis on innovations to help the poor gain from financial and insurance initiatives.

Based on the theme of 'Making Finance and Insurance Markets Work for the Poor', the three-day workshop includes plenary sessions, research paper presentations and discussions on various aspects of inclusive finance.

"Trust is the key to achieve financial inclusion. Thousands of branches of banks have been opened in rural areas. Then, there are mobile and Internet banking and other allied technologies involved. But the common people must have faith in financial institutions, which needs deeper collaborations to achieve the goal," said B. Sriram, managing director, State Bank of India (SBI).

Sriram, who was speaking at the inaugural session in the morning, called for initiatives to educate rural people about the banking sector and empower them to take wise financial decisions.

He also appreciated the recently launched Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana, which allows the poor to open bank accounts and gives them access to various services like banking, savings and deposit accounts, among others.

Founding chairman of Basix Group Vijay Mahajan, development economist Jean Drèze, University of Illinois-Center for Economic and Financial Education director Angela C. Lyons, XLRI director Father E. Abraham and XLRI professor of finance and economics H.K. Pradhan were present on the occasion.

A national-level competition, Innovation4Impact, will be held on Saturday, providing a platform to social entrepreneurs to demonstrate their innovations in the field of financial inclusion.

XLRI and NABARD will also felicitate selected innovators who have made a difference to the lives of the poor by linking finance to livelihoods.

Another event, Innovations in Financial Literacy and Consumer Protection, will see students from business schools designing and demonstrating ideas to safeguard the interests of the economically marginalised communities.

These apart, theme-based kiosks have been set up to provide information on organisations and projects involving inclusive finance, to give an opportunity to innovators and new social ventures to demonstrate their innovations.

4

सिनर्जी २०१४ परिषदेचे आयोजन

मुंबई : भारतातील महत्त्वपूर्ण बी-स्कूलमध्ये समावेश असलेल्या एक्सएलआरआय-झेव्हीअर स्कूल ऑफ मॅनेजमेंटने 'सिनर्जी २०१४' या राष्ट्रीय स्तरावरील वार्षिक परिषदेचे आयोजन केले होते. या परिषदेमध्ये एसबीआय म्युच्युअल फंडाचे कार्यकारी संचालक नवनीत मुनोत, एमसीएक्स एसएक्स कंपनीचे सीएमडी सौरभ सरकार आणि एचडीएफसी एर्गो जनरल इन्श्युरन्स कंपनीच्या एसव्हीपी दीपिका माथूर या नामांकित व्यक्ती सहभागी झाल्या होत्या. बँकिंग क्षेत्रातील वाढ व नवीन संधी, नव्या क्षेत्रातून पैसा मिळण्याची आवश्यकता तसेच विमा क्षेत्रात होणारी वाढ आणि कालांतराने मिळणारी चालना आणि वित्तीय बाजार क्षेत्रातील भविष्य आदी विषयांवर तज्ज्ञांनी आपली मते मांडली. याप्रसंगी 'द फायनान्स मॅनेजर' या मासिकाचे प्रकाशनदेखील करण्यात आले.

1. Prabhat khabar, November 1
2. The Echo of India, November 23
3. The Telegraph, November 1
4. Punya nagar, November 13

1

THE WEEK • NOVEMBE[R]

70

COVER STORY

organisations use tie-ups with institutions to get people who are pre-tested. We also look for people who have done specialised programmes and may have domain experience," says J.M. Prasad, head of human resources at ING Vysya Bank.

In a noticeable change in priorities, making a global mark has become important for Indian B-schools. IIM-Calcutta's theme for the next ten years is internationalisation, innovation and enterprise. It got AACSB (Association to Advance Collegiate Schools of Business) accreditation two years ago and has been reaching out to international students. "We have started inviting overseas faculty to teach courses here and create a collaborative research environment. We are even planning on exploring collaborations with international institutions for our PhD programmes," says Banerjee.

Many B-schools believe presence of foreign students can create a more diverse classroom and set a more Indian tone for teaching. "We believe India needs to do in education what it has done in telecom. We need not follow the western model. The centre of gravity of the global economy has shifted to Asia. We need to leapfrog and get into a system where we set the standards. Indian schools need to have an Asian model which is relevant, practice-oriented, student-centric and industry-centric, not necessarily publishing in top journals," says Atish Chattopadhyay, deputy director, SPJIMR.

This year SPJIMR has four foreign students for its MBA. It plans to increase the number in the next batch. Says Spriha Kanika, 24, an Australian of Indian origin, who came to SPJIMR because she wanted to come back to her roots: "Growing up in Australia, I was used to structured, planned thinking, while here there is always so much happening. This place teaches you how to think out of the box and learn by doing."

Management students at SPJIMR have to spend three weeks doing

TOP 35 PRIVATE COLLEGES

Rank	College	City	Composite Score
1	XLRI	Jamshedpur	742
2	S.P. Jain Institute of Management & Research	Mumbai	611
3	Narsee Monjee Institute of Management Studies	Mumbai	610
4	Management Development Institute	Gurgaon	601
5	Institute of Management Technology	Ghaziabad	579
6	Symbiosis Institute of Business Management	Pune	550
7	Xavier Institute of Management Bhubaneswar	Bhubaneswar	521
8	Symbiosis Centre for Management and Human Resource Development	Pune	513
9	T.A. Pai Management Institute	Manipal	509
10	International Management Institute	Delhi	506
11	Institute of Rural Management	Anand	504
12	Birla Institute of Technology & Science	Pilani	501
13	Goa Institute of Management	Goa	494
14	Institute of Management, Nirma University	Ahmedabad	490
15	Bharathidasan Institute of Management	Tiruchirappalli	465
16	Birla Institute of Management Technology	Noida	463
17	Fore School of Management	Delhi	462
18	K.J. Somaiya Institute of Management Studies and Research	Mumbai	461
19	Loyola Institute of Business Administration	Chennai	457
20	Lal Bahadur Shastri Institute of Management	Delhi	442
21	Amity Business School	Noida	427
22	Institute of Management Technology	Nagpur	422
23	Symbiosis Institute of Management Studies	Pune	418
24	SIES College of Management Studies	Mumbai	416
25	Xavier Institute of Management & Entrepreneurship	Bengaluru	404
26	Christ University	Bengaluru	401
27	Balaji Institute of Modern Management	Pune	398
27	Institute for Financial Management and Research	Chennai	398
29	Symbiosis Institute of International Business	Pune	396
29	PSG Institute of Management	Coimbatore	396
31	AIMS School of Business	Bengaluru	391
32	KIIT School of Management, KIIT University	Bhubaneswar	390
33	Jagan Institute of Management Studies	Delhi	385
34	Institute of Management and Research, Bharati Vidyapeeth University	Delhi	384
35	SDM Institute for Management Development	Mysore	371

Many B-schools believe presence of foreign students can create a more diverse classroom and set a more Indian tone for teaching.

2

Workshop on inclusive finance: XLRI-Xavier School [of] Management recently hosted the '3rd International Workshop on Inclusive Finance'. The theme of the workshop was 'Making Finan[cial] and Insurance Markets Work for the Poor'. E Abraham, S J Director of XLRI, commented, "Since its launch three years ago, we are happy to know th[at] XLRI's inclusive finance event has emerged as a platform to generate ideas and solutions [for] financial inclusion."

3

एक्सएलआरआई में अंतराष्ट्रीय इन्क्लूसिव फाइनेंस वर्कशॉप आरंभ

निर्धनों के लिए फाइनेंस और इंश्योरेंस मार्केट सृजन पर चर्चा ■ आम आदमी के बीच बैंक की विश्वसनीयता बड़ी चुनौती : वी श्रीराम

जमीनी जुड़ाव से आर्थिक मंदी में भी खड़ा था राबो बैंक

एक दिन में 11 करोड़ का व्यवसाय का रिकार्ड

4

Leadership celebrated at B-School's annual summit

Xavier School of Management recently celebrated its annual management summit Ensemble 2014. The theme of the event was reinventing leadership, redefining strategies'. Around 1000 teams from business schools across India including the IIMs, FMS, SIBM, SCMHRD, MDI, TISS and IIFT took part in the event. Apart from contests which cut across all business domains, from finance and marketing to operations, IR and HR, the three-day event witnessed an array of entertaining cultural and sporting events.

The event was inaugurated in presence of Fr. E Abraham, director of XLRI, Pranabesh Ray, dean, academics, XLRI, Fr. S George, dean, administration, XLRI, Fr. James Santhanam, associate dean, student affairs. Alok Ramdev Kanagat, vice president Engineering & Projects at Tata Steel Ltd. and CEO, Coastal Gujarat Power Ltd. graced the event as the chief guest.

Events like Strategikon, the flagship consulting event, Prometheus, the flagship event in finance, Helios, the flagship operations event, Poseidon and Apollo (The domain events of BM and HR) along with the flagship events of Ensemble — circus maximus and war of wits witnessed intense competitions among teams from the participating institutes. Manthan, a case study competition saw participation of close to 120 students from all over India. Another flagship event of the summit was the Ideakon, conducted by the entrepreneurship cell of XLRI. The event provided platform for start-up business owners, practitioners and academicians to network with each other and aimed to inculcate entrepreneurial spirit among students by motivating them with personal and professional experiences shared by the speakers. Mock United Nations Security Council was held for the first time, where delegates were given a chance to articulate their country's stand on an issue before the council.

Idea Summit was conducted by film director Sudhir Mishra and heart specialist and founder of Narayana Health, Dr. Devi Shetty.

A number of fun-events such as masterchef — a culinary competition, bonfire, paintball, mono acting, face painting, XLArena by sports committee were also lined up.

A series of cultural events, including a kathakali performance, Chitrahaar Bollywood musical programme, Comedy night featuring Nitin Gupta, a theatrical performance by students, 'Ek Ruka Hua Faisla' and performances by XLRI's famous rock band Bodhi Tree and Surio were also put up.

1. The Week, November 2
2. Times of India, November 7
3. udit Vani, November 1
4. Times of India, November 27

1

'किसानों की समस्याएं व्यवस्था की देन'

जमशेदपुर | संवाददाता

किसानों की तीन बड़ी समस्याएं थ्री एम यानि मार्केट, मर्चेंट्स और मानसून हैं। इन समस्याओं के कारण ही छोटे किसान परेशान रहते हैं। इसके अलावा किसान लोन न मिलने से भी परेशान होते हैं। दरअसल, ये समस्याएं व्यवस्थागत हैं।

यह बातें स्माल होल्डर एग्रीकल्चर फायनांस पर एक्सएलआरआई में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन शनिवार को आयोजित पैनल डिस्कशन में सामने आईं। डिस्कशन में मॉडरेटर नाबार्ड के पूर्व चेयरमैन वाईसी नंदा थे। इसके अलावा दूसरे सत्र में सोशल सेफ्टी नेट और रोल ऑफ माइक्रोइंश्योरेंस विषय पर चर्चा हुई।

सात संस्थाओं को अवार्ड : कार्यक्रम में सात संस्थाओं को इनोवेशन फॉर इंपैक्ट अवार्ड दिया गया। पुरस्कार समारोह से पूर्व इन संस्थाओं द्वारा आमलोगों के बीच आर्थिक जागरूकता और मजबूती के लिए किए जा रहे काम और कार्ययोजना की प्रस्तुति हुई, जिसे जानकारों ने काफी सराहा। एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई. अब्राहम, नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर शुभ्रत गुप्ता ने विजेता संस्थानों के प्रतिनिधियों को ट्रॉफी प्रदान की।

एक्सएलआरआई में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन पैनल डिस्कशन को संबोधित करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

मंथन

- एक्सएलआरआई में इंक्लूसिव फायनेंस पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में पैनल डिस्कशन
- किसानों की तीन बड़ी समस्याएं हैं मार्केट, मर्चेंट्स और मानसून; लोन में दिक्कत भी झेल रहे किसान
- दूसरे सत्र में सोशल सेफ्टी नेट और रोल ऑफ माइक्रो इंश्योरेंस विषय पर चर्चा

इन्हें मिला अवार्ड

• बंधन फायनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड • सब-के-आई ट्रांजैक्शन लिमिटेड • लीप्स एंड बाउंड्स • वीमो सेवा • वेदर रिस्क मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड • रंग दे • रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, चेन्नई।

2

XLRI ENSEMBLE 2014

XLRI- Xavier School of Management recently celebrated its annual management summit ENSEMBLE 2014. The theme was 'Reinventing Leadership, Redefining Strategies'. This year, Ensemble witnessed participation of around 4000 teams from business schools across India including the IIMs, FMS, SIBM, SCMHRD, MDI, TISS and IIFT. Besides competitions, the three-day event also witnessed an array of entertaining cultural and sporting events. The event was partnered by prominent names like, Colgate Palmolive, Airtel, Hindustan Petroleum and SBI, Woodland, Axis Bank, London Bridge, Turtle, Samsung among others.

1. Hindustan Times, November 2
2. Times of India, November 24
3. INext, November 2
4. The Telegraph, November 3

3

सात को मिला एक्सएलआरआई-नाबार्ड इनोवेशन्स फॉर इंपैक्ट अवार्ड

» एक्सएलआरआई-नाबार्ड 'इनोवेशन्स 4 इंपैक्ट अवार्ड' का हुआ आयोजन

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR (1 Nov): एक्सएलआरआई में चल रहे 'थर्ड इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन इन्क्लूसिव फाइनांस' के दूसरे दिन एक्सएलआरआई-नाबार्ड 'इनोवेशन्स 4 इंपैक्ट अवार्ड' का आयोजन किया गया. अवार्ड के लिए चुने गए सात माइक्रो-फाइनांस डोमेन के इनोवेटर्स और सोशल इंटरप्रेन्योर्स ने एक्सपर्ट पैनल और वर्कशॉप पार्टिसिपेंट्स के बीच अपने इनोवेशन्स को डेमोंस्ट्रेट किया. सभी विनर्स को एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर ई अब्राहम और नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर सुब्रत गुप्ता ने अवार्ड प्रदान किया.

FILE PHOTO

विनर्स को फादर ई अब्राहम और नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर ने दिया अवार्ड.

अपने इनोवेशन्स के बारे में बताया

समाज के सबसे निचले स्तर के लोगों के जीवन में अपने इनोवेशन्स के जरिए बदलाव लाने की पहल करने वाले सात सोशल इनोवेटर्स और सोशल इंटरप्रेन्योर्स को एक्सएलआरआई-नाबार्ड 'इनोवेशन्स 4 इंपैक्ट अवार्ड' से पुरस्कृत किया गया. इन सभी इनोवेटर्स ने कार्यक्रम के दौरान अपने इनोवेशन्स के बारे में बताया. कोलकाता की बंधन फाइनांशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने प्रोजेक्ट 'टारगेटिंग द हार्ड कोर पुअर्स' के जरिए मुर्शिदाबाद के रिमोट एरियाज में फाइनांशियल लिटरेसी ड्राइव चलाया. हैदराबाद की सब-के आई ट्रांजैक्शन्स लिमिटेड ने 'मोबाइल टेक्नोलॉजिज एंड ब्रांचलेस बैंकिंग' पर प्रेजेंटेशन दिया. पुणे के लीप एंड बाईड्स ने सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के लिए टैबलेट पीसी के जरिए एसएचजी अकाउंटिंग और एमआईएस सिस्टम पर अपने प्रोजेक्ट को शोकेस किया. वहीं रूरल इंटरप्रेन्योर्स को लो कॉस्ट माइक्रो क्रेडिट तक पहुंच बनाने वाले बंगलुरु बेस्ड वेब बेस्ड सोशल इनिशिएटिव रंग दे और अहमदाबाद की कम्यूनिटी बेस्ड माइक्रो इंश्योरेंस कंपनी विमो सेवा, वेल्थ रिस्क और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, चेन्नई ने भी अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया. वर्कशॉप के दूसरे दिन 'स्मॉल होल्डर एग्रिकल्चरल फाइनांस' और 'सोशल सेफ्टी नेट, रिस्क मिटीगेशन एंड रोल ऑफ माइक्रो-इंश्योरेंस' पर सेशन भी आयोजित किया गया.

विनर्स और उनके प्रोजेक्ट्स

- बंधन फाइनांशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता
  मुर्शिदाबाद के रिमोट एरियाज में फाइनांशियल लिटरेसी ड्राइव चलाया.
- सब-के आई ट्रांजैक्शन्स लिमिटेड, हैदराबाद
  मोबाइल टेक्नोलॉजिज एंड ब्रांचलेस बैंकिंग.
- लीप्स एंड बाउंड्स, पुणे
  नाबार्ड के सहयोग से महाराष्ट्र के नानदरबार जिले में 'एसएचजी अकाउंटिंग एंड एमआईएस सिस्टम्स यूजिंग टैबलेट पीसी' प्रोजेक्ट की शुरुआत.
- रंग दे (बंगलुरु का एक वेब बेस्ट सोशल इनिशिएटिव)
  पीअर टू पीअर लेंडिंग मॉडल
- विमो सेवा, कम्यूनिटी बेस्ड माइक्रो इंश्योरेंस कंपनी, अहमदाबाद
  वालंटरी, रटैंड अलोन, मल्टी प्रोडक्ट, फुल सर्विस माइक्रो इंश्योरेंस मॉडल
- वेल्थ रिस्क
  वेदर इंश्योरेंस.
- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, चेन्नई
  डिजिटर्स को बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं और फाइनांशियल लिटरेसी के कॉन्सेप्ट की जानकारी देने के लिए फाइनांशियल गैलरी की स्थापना की.

4

XLRI finance meet ends

OUR CORRESPONDENT

hrough with plenary sessic
s and discussions, the thir
dition of the Internationa
Vorkshop on Inclusive Fina
ce concluded at XLRI on Sun
ay with eight PhD student
resenting research paper
nd innovators, who have ma
e a difference by linking fi
ance to livelihood of the poo
eing awarded.

The three-day worksho
hat kicked off on October 3
aw seven companies — Cal
utta-based microfinance in
titution Bandhan, Hyder
bad-based Sub-K iTransac
ions Limited, Pune-base
eaps and Bounds, Reserv
ank of India-Chennai, Ban
alore-based Rang De, Ahmed
bad firm VimoSEWA an
Weather Risk Managemen
ervices Limited from Delh
- bagging the Innovation4Im
act award for their innova
ive livelihood models.

"We have introduced thi
oint XLRI-Nabard Award In
ovation4Impact. We ar
appy to join the apex institu
ion and felicitate the innova
ors," said H.K. Pradhan, cor
ener of the conference an
rofessor of finance and ecc
omics at XLRI.

The competition also pro
ided an opportunity for
ace-to-face interaction thro
gh a knowledge fair where in
ovators showcased and ex
lained their projects to dele
ates and entrepreneurs.

Subrata Gupta, chief gen
ral manager (financial inclu
ion) of Nabard said that th
oint endeavour with XLR
as made to provide a plat
orm to promote innovations
isseminate new products an
chnologies to reach under
erved markets. He said tha
he idea was to popularise suc
essful best practices in th
rena of financial inclusio
hat are recognised as replica
le models.

"I wish such pro-poo
novations reach millions,
aid XLRI director Father E
braham.